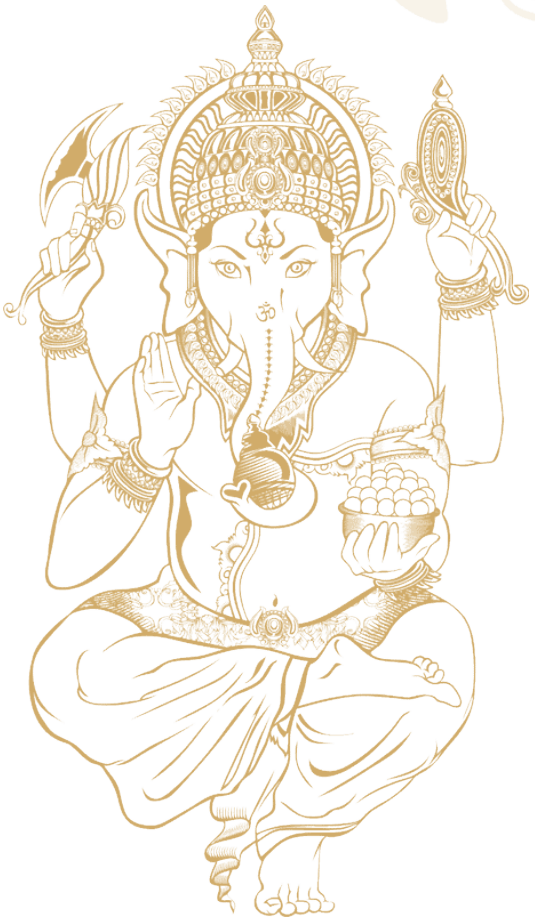

01 Jun 1974

06:00 AM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121370103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/06/1974**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	02:37:56 घटी
स्थान	**Dhanbad**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:16:08 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	22:52:35 घंटे
सूर्योदय	04:56:49 घंटे
सूर्यास्त	18:26:36 घंटे
दिनमान	13:29:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:39:16 वृष
लग्न के अंश	01:05:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:05:17	338:15:27	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृष	16:39:16	00:57:29	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	00:39:17	13:11:28	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	01:36:28	00:36:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			मिथु	09:49:29	01:09:44	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	स्वराशि
गुरु			कुंभ	22:16:51	00:06:33	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			मेष	07:19:21	01:09:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि			मिथु	11:03:32	00:07:21	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	25:55:58	00:01:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	25:55:58	00:01:06	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
हर्ष	व		तुला	00:33:34	00:01:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप	व		वृश्चि	14:41:24	00:01:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो	व		कन्या	10:36:31	00:00:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	18:13:33	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:15

लग्न-चलित

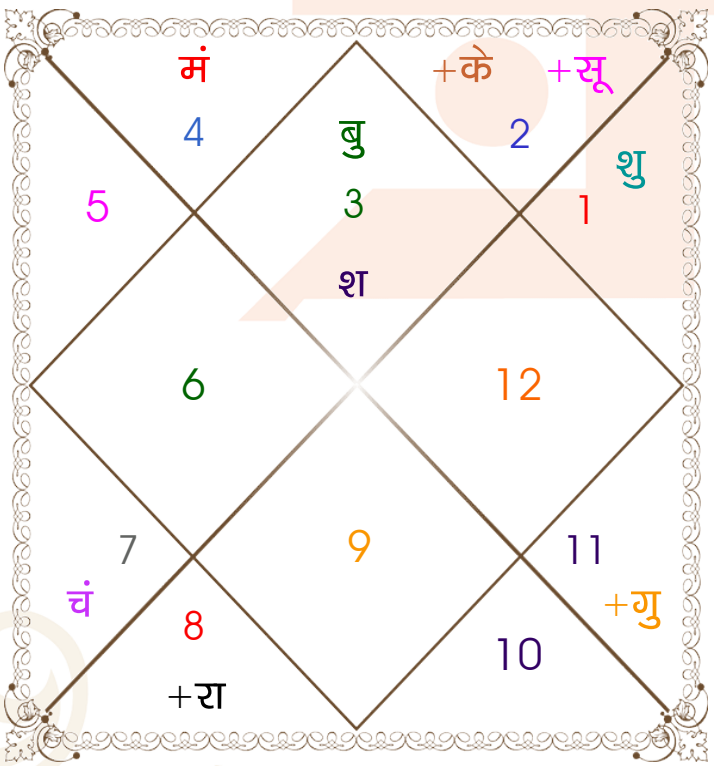

चन्द्र कुंडली

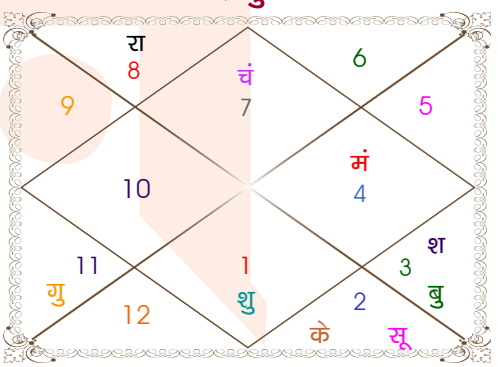

नवमांश कुंडली

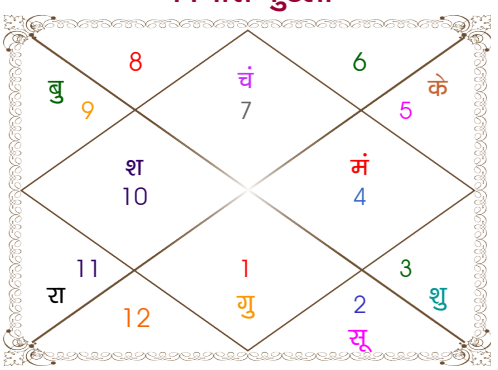

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 1 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/06/1974		28/07/1977		28/07/1995		28/07/2011		28/07/2030	
28/07/1977		28/07/1995		28/07/2011		28/07/2030		28/07/2047	
	00/00/0000	राहु	09/04/1980	गुरु	14/09/1997	शनि	31/07/2014	बुध	23/12/2032
	00/00/0000	गुरु	02/09/1982	शनि	28/03/2000	बुध	09/04/2017	केतु	21/12/2033
	00/00/0000	शनि	09/07/1985	बुध	03/07/2002	केतु	19/05/2018	शुक्र	21/10/2036
	01/06/1974	बुध	27/01/1988	केतु	09/06/2003	शुक्र	18/07/2021	सूर्य	27/08/2037
बुध	23/01/1975	केतु	13/02/1989	शुक्र	07/02/2006	सूर्य	30/06/2022	चंद्र	26/01/2039
केतु	22/06/1975	शुक्र	14/02/1992	सूर्य	27/11/2006	चंद्र	30/01/2024	मंगल	24/01/2040
शुक्र	21/08/1976	सूर्य	08/01/1993	चंद्र	28/03/2008	मंगल	10/03/2025	राहु	12/08/2042
सूर्य	27/12/1976	चंद्र	10/07/1994	मंगल	03/03/2009	राहु	15/01/2028	गुरु	17/11/2044
चंद्र	28/07/1977	मंगल	28/07/1995	राहु	28/07/2011	गुरु	28/07/2030	शनि	28/07/2047

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/07/2047		28/07/2054		28/07/2074		27/07/2080		28/07/2090	
28/07/2054		28/07/2074		27/07/2080		28/07/2090		00/00/0000	
केतु	24/12/2047	शुक्र	26/11/2057	सूर्य	14/11/2074	चंद्र	28/05/2081	मंगल	24/12/2090
शुक्र	22/02/2049	सूर्य	27/11/2058	चंद्र	16/05/2075	मंगल	27/12/2081	राहु	11/01/2092
सूर्य	30/06/2049	चंद्र	27/07/2060	मंगल	21/09/2075	राहु	28/06/2083	गुरु	17/12/2092
चंद्र	29/01/2050	मंगल	26/09/2061	राहु	15/08/2076	गुरु	27/10/2084	शनि	26/01/2094
मंगल	27/06/2050	राहु	26/09/2064	गुरु	03/06/2077	शनि	28/05/2086	बुध	01/06/2094
राहु	16/07/2051	गुरु	28/05/2067	शनि	16/05/2078	बुध	27/10/2087		00/00/0000
गुरु	21/06/2052	शनि	28/07/2070	बुध	22/03/2079	केतु	27/05/2088		00/00/0000
शनि	31/07/2053	बुध	28/05/2073	केतु	28/07/2079	शुक्र	26/01/2090		00/00/0000
बुध	28/07/2054	केतु	28/07/2074	शुक्र	27/07/2080	सूर्य	28/07/2090		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।